

FOR EVALUATOR'S USE ONLY

Sub. Code : **23**

Optional Paper

Philosophy : Paper - I

Time : 3 Hours / Maximum Marks : 200 / Total Pages : 32

Evaluation Table												(For Evaluator's Use Only)		
PART-A				PART-B				PART-C				Grand Total		
QN	E-1	E-2	AC	QN	E-1	E-2	AC	QN	E-1	E-2	AC	PART-A		
1				21				33				PART-B		
2				22				34				PART-C		
3				23				35				Total		
4				24				36				(-) Marks		
5				25				37				Final Total		
6				26				38				Marks in Words		
7				27				39				Remarks of Evaluator/Chief Evaluator		
8				28										
9				29										
10				30										
11				31										
12				32										
13														
14														
15														
16														
17														
18												Remarks of Scrutiniser		
19														
20														
Total														
Evalu ator's Sign														

1980-1981

of the year

BLANK PAGE



Note : Attempt all the twenty questions. Each question carries 2 marks. Answer should not exceed 15 words.

नोट : समस्त २० प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिये २ अंक निर्धारित है। उत्तर १५ शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिये।

1 Explain the meaning of these terms : Polytheism, Henotheism and Monotheism.
बहुदेववाद, एकाधिदेववाद और एकेश्वरवाद के अर्थ बताएँ।

2 Name the parts of Vedas.
वेदों के भागों के नाम बतायें।

3 Distinguish between Parbrahma and Aparbrahma.
परब्रह्म और अपरब्रह्म के अन्तर को स्पष्ट करें।



4 Define Dravya (According to Jainism).

द्रव्य (जैनदर्शन) की परिभाषा दें।

5 Define passive resistance.

निष्क्रिय प्रतिरोध को परिभाषित करें।

6 Explain the meaning of Parināmavāda.

परिणामवाद के अर्थ की व्याख्या करें।



7 Describe momentriness.

क्षणिकवाद की विवेचना करें।

8 Explain SamvāyīKāraṇa.

समवायि कारण की व्याख्या करें।

9 Describe Ahamkāra and its kinds.

अहंकार और उसके प्रकारों की विवेचना करें।



10 Distinguish between Vyāpti and Upādhi.

व्याप्ति एवं उपाधि में भेद बतायें।

11 Explain the meaning of Avidyā.

अविद्या के अर्थ की व्याख्या करें।

12 Define consciousness according to Chārvāka.

चार्वाक के अनुसार चेतना की परिभाषा दें।

13 Explain the meaning of Gunāstaka.

गुणाष्टक की व्याख्या करें।

14 Describe Samyak Samādhi.

सम्यक् समाधि की विवेचना करें।

15 Describe Chitta and its kinds.

चित्त और उसके प्रकारों का वर्णन करें।



16 Explain the meaning of Anirvachanīya Khyāti.

अनिर्वचनीय ख्याति के अर्थ की व्याख्या करें।

17 Explain the Nature of Ramanuja's God.

रामानुज के ईश्वर के स्वरूप की व्याख्या करें।

18 Define quality (Vaisesika).

गुण (वैशेषिकदर्शन) की परिभाषा दें।



9 Describe Klesh and its kinds.

क्लेश और उसके प्रकारों की विवेचना करें।

10 Define comparison.

उपमिति की परिभाषा दें।



Note : Attempt all the twelve questions. Each question carries 5 marks. Answer should not exceed 50 words.

नोट : समस्त १२ प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के ५ अंक निर्धारित हैं। उत्तर ५० शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

21 Explain the nature and importance of religious consciousness in Radhakrishnan's thought.
राधाकृष्णन् के अनुसार धार्मिक अनुभूति के स्वरूप और उसकी महत्ता पर प्रकाश डालें।

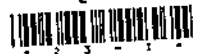
22 Describe Tagore's philosophy of life.

टैगोर के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालें।



27. State Rāmānuja's arguments to refute S'aṅkar's concept of Māyā.
शंकर के माया के प्रत्यय के खण्डन हेतु रामानुज द्वारा दिये गये तर्कों को प्रस्तुत करें।

28. Define 'dependent origination' and describe its twelve parts in order.
'प्रतीत्य समुत्पाद' की परिभाषा दें और इसके बारह अंगों की क्रम से विवेचना करें।

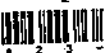


29 Describe internal aids (antarang Sādhan) of Yoga.

योग के अंतरंग साधनों की विवेचना करें।

30 Define and distinguish Sāmānya and Samvāya.

सामान्य एवं समवाय की परिभाषा दें और उनके बीच के अन्तर को स्पष्ट करें।



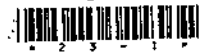
31 Explain the views of Nyāya and Mīmāṃsā on the issue of validity and invalidity of knowledge.

ज्ञान की प्रामाणिकता एवं अप्रामाणिकता पर न्याय और मीमांसा के मतों की व्याख्या करें।

32 Explain Nyāya views on perception and describe its various kinds (classification)

न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष के स्वरूप की व्याख्या करें तथा प्रत्यक्ष के विभिन्न प्रकारों (वर्गीकरणों) का वर्णन करें।





34 What is the place of God in religion ? What led Gandhi to redefine 'God as Truth' as 'Truth is God' ? Explain.

धर्म में ईश्वर का क्या स्थान है ? किन कारणों से गाँधी को "ईश्वर सत्य है" के स्थान पर 'सत्य ईश्वर है' के रूप में (ईश्वर को) पुनः परिभाषित करना पड़ा ? व्याख्या कीजिये।





1... 23-I]

21

[Contd...



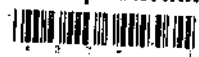
37 Explain Kumarila and Prabhakar's views on knowledge and error.
कुमारिल और प्रभाकर के ज्ञान और त्रुटि सम्बन्धी विचारों की व्याख्या कीजिये।

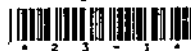


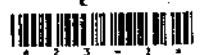


38 Explain the difference between s'amkara and Rām ānuja with reference to the nature of Moksa and the means to attain it.

मोक्ष के स्वरूप व उसकी प्राप्ति के साधनों के संदर्भ में शंकर और रामानुज के बीच मतभेदों को समझाइये।

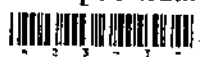








(iv)



SPACE FOR ROUGH WORK / रफ़ कार्य के लिए जगह

23-I]

32

